निधनंनिधनहेतुः ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०५ ॥ १०७ ॥ इतिभीष्मपर्वणिनैलकंठीयेभारतभावदीपसप्ताधिकशततमोऽध्यायः ॥ १०७ ॥ 🔻 ॥ ७ ॥ अर्जुनउवाच शिखंडीनिधनंरुणाभीष्मस्यभिवताधुवं॥ दृष्टीवहिसदाभीष्मःपांचाल्यंविनिवर्तते ॥ १०३ ॥ तेवयंप्रमुखेतस्यपुरस्कत्यशिखंडिनं॥ गांगे

यंपातियष्यामउपायेनेतिमेमतिः॥ १०४॥ अहमन्यान्महेष्वासान्वारियष्यामिसायकैः॥ शिखंद्यपियुधांश्रेष्ठंभीष्ममेवाभियोधयेत्॥ १०५॥ श्रुतंहिकुरु 119001

मुस्यस्यनाहंहन्यांशिखंडिनं॥कन्यात्येषापुराभूत्वापुरुषःसमपद्यत॥१०६॥इत्येवंनिश्चयंकृत्वापांडवाःसहमाधवाः॥अनुमान्यमहात्मानंप्रययुर्दृष्टमान

साः॥शयनानियथास्वानिभेजिरेपुरुषर्षभाः॥ १०७॥ इ०भीष्मप०भीष्मवधप०नवमदिवसावहारोत्तरमंत्रेसमाधिकशततमोऽध्यायः॥१०७॥ ॥ । ।

धृतराषृउवाच कथंशिखंडीगांगेयमभ्यवर्ततसंयुगे॥ पांडवांश्र्वकथंभीष्मस्तन्ममाचस्वसंजय॥ १॥ संजयउवाच ततस्तेपांडवाःसर्वेसूर्यस्योदय नंप्रति॥ताङ्यमानासुभेरीषुमृदंगेष्वानकेषुच॥२॥ध्मायतसुद्धिवर्णेषुजलजेषुसमंततः॥शिखंडिनंपुरस्कृत्यनिर्याताःपांडवायुधि॥३॥कलाव्यूहंमहारा

जसर्वशत्रुनिवर्हणं॥ शिखंडीसर्वसैन्यानामग्रआसीिद्धशांपते॥ ४॥ चकरसीततस्त्रस्यभामसेनधनंजयी॥ पष्ठतोद्रीपदेयाश्र्यसीभद्रश्रववीर्यवान्॥ ५॥ सात्यिकश्रेकितानश्रतेषांगोमामहारथः॥धृष्टयुमस्ततःपश्रात्यंचालैरभिरिक्षतः॥६॥ ततोयुधिष्ठिरोराजायमाभ्यांसिहतःत्रभुः॥प्रययौसिहनादेननादयं

न्भरतर्षभ॥ ७॥ विराटस्तुततःपश्चात्स्वेनसैन्येनसंदतः॥ हुपदश्चमहाबाहोततःपश्चादुपाद्रवत् ॥ ८॥ केकयाभ्यातरःपंचपृष्टकेतुश्चवीर्यवान्॥ जघनंपालया मासुःषांदुसैन्यस्यभारत॥९॥एवंव्यूत्यमहासैन्यंपांदवास्तववाहिनीं॥अभ्यद्रवंतसंग्रामेत्वकाजीवितमात्मनः॥१०॥ तथैवकुरवोराजन्भीष्मंकत्वाम

हारथं॥अग्रतःसर्वसैन्यानांप्रययुःपाँडवास्त्रति॥११॥पुत्रैस्तवदुराधर्षीरक्षितःसुमहाबलैः॥ ततोद्रोणोमहेष्वासःपुत्रश्रास्यमहाबलः॥१२॥भगदत्तस्ततः पश्चाद्रजानीकेनसंदतः ॥ रूपश्चरुतवर्माचभगदत्तमनुवतौ ॥ १३॥ कांबोजराजोबलवांस्ततःपश्चात्सुदक्षिणः ॥ मागधश्चजयत्सेनःसीबलश्चबृहद्दलः ॥

॥ १४॥ तथैवान्येमहेष्वासाःसुशर्मप्रमुखानृपाः॥ जघनंपालयामासुस्तवसैन्यस्यभारत ॥ १५॥ दिवसेदिवसेप्राप्तेभीष्मःशांतनवोयुधि॥ आसुरानकरो

॥ ३॥ ४॥ ५॥ ५॥ ०॥ ८॥ ९ ॥ १०० ॥ ३० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥